



GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256

Fax: 91-11-26135518,26135519

Email: press@epch.com

web: www.epch.in

PRESS RELEASE

SHRI RAJ KUMAR MALHOTRA, CHAIRMAN-EPCH MET HON'BLE MINISTER OF INDUSTRIES, GOVT. OF BIHAR, SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN – MINISTER ASSURED SUPPORT FOR PROMOTION OF HANDICRAFTS SECTOR OF BIHAR

NEW DELHI – 23rd June 2021 – Mr. Raj Kumar Malhotra, Chairman-EPCH, Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH and Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH met Hon'ble Industries Minister, Govt. of Bihar, Shri Syed Shahnawaz Hussain. The State Government of Bihar has assigned a project to EPCH for development and promotion of Bihar State Handicrafts products. Under this project, EPCH will undertake various activities like Skill Development of the artisans, Design support, and Clusters formation and to present the handicrafts of Bihar at domestic and International market. Hon'ble Minister assured full support to EPCH for the same, informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Speaking on the occasion, Mr. Raj Kumar Malhotra, Chairman-EPCH informed that State of Bihar has a rich historical past. Right from the ancient history to the present century it was always a centre of attention of historians. The unique features of art and crafts in Bihar are the intrinsic beauties and great creativeness. These creative beauties have been preserved in various forms like in ancient stone, wooden structures, grass-clothes, lacquer and metal-wares. Bihar's craftsmen have excelled in manufacturing artistic goods which have great demands in local and international market. Major crafts of State of Bihar are : Madhubani Painting, Rock Painting, Wooden Work, Pottery Works, Bamboo Works, Sikki works, Brass work, Tikuli works, Zari work, Kasida works, Textile painting, Jewellery, Patna kalam and Lacquer works.

The exports of handicrafts for April-March (provisional) of the current financial year 2020-21 is at Rs.25558.94 crores (US\$ 3443.45 million) registering a marginal growth of 1.14 % (Rupee terms) and (-) 3.39 % (dollar terms) over the same period last year. However, as far as exports for the month of (April- May) 2021-22 (provisional) is at Rs. 2538.09 crores (US\$ 343.49 million) and a growth of 175.67% in Rupees terms and 183.34% in Dollar terms, informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

For more information, please contact :

Dr. Rakesh Kumar, Director General - EPCH - +91-9818272171



प्रेस#विज्ञप्ति

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री राजकुमार मल्होत्रा ने उद्योग मंत्री, बिहार सरकार श्री सैयद शाहनवाज हुसैन से मुलाकात की, मंत्री ने दिलाया बिहार राज्य में हस्तशिल्प सेक्टर के प्रोत्साहन में सहयोग का आश्वासन

नई दिल्ली 23 जून 2021- हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के चेयरमैन श्री राजकुमार मल्होत्रा ने महानिदेशक ईपीसीएच डॉ. राकेश कुमार और कार्यकारी निदेशक श्री आर.के.वर्मा के साथ बिहार सरकार में उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज हुसैन से मुलाकात की। बिहार की राज्य सरकार ने ईपीसीएच को बिहार राज्य के हस्तशिल्प उत्पादों के विकास और प्रोत्साहन का एक प्रोजेक्ट दिया है। इस प्रोजेक्ट के तहत ईपीसीएच विभिन्न गतिविधियां जैसे हस्तशिल्पियों के कौशल विकास, डिजाइन सपोर्ट, क्लस्टर निर्माण आयोजित करने के साथ ही बिहार के हस्तशिल्प को देश और विदेश के बाजारों में प्रस्तुत और प्रदर्शित करने का काम करता है। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने जानकारी दी कि बिहार सरकार के माननीय उद्योग मंत्री ने इस प्रतिनिधि मंडल से भेंटवार्ता के दौरान ईपीसीएच को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

इस अवसर पर बोलते हुए ईपीसीएच के चेयरमैन श्री राजकुमार मल्होत्रा ने सूचित किया कि बिहार राज्य का एक समृद्ध इतिहास रहा है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक बिहार पर हमेशा से दुनिया, और खासकर इतिहासकारों, की नज़र रही है। बिहार में कला और हस्तशिल्प की अनूठी विशेषताएं उसकी बारीक कला, आंतरिक सुंदरता और महान रचनात्मकता रही हैं। इसी रचनात्मक सौंदर्य को प्राचीन पत्थर, लकड़ी के ढांचे, घास के कपड़े, लाह और धातु के सामान जैसे विभिन्न रूपों में संरक्षित किया गया है। बिहार के शिल्पकारों ने हमेशा ही कलात्मक वस्तुओं के निर्माण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिनकी स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। बिहार राज्य के प्रमुख हस्तशिल्प में मधुबनी पेंटिंग, रॉक पेंटिंग, लकड़ी का काम, मिट्टी के बर्तनों का काम, बांस का काम, सिक्की का काम, पीतल का काम, टिकुली का काम, ज़री का काम, कसीदाकारी, कपड़ा पेंटिंग, आभूषण, पटना कलम और लाख का काम शामिल है।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने सूचित किया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 की अप्रैल-मार्च अवधि (तदर्थ) के लिए हस्तशिल्प निर्यात का अनुमानित आंकड़ा 25558.94 करोड़ रुपये (3443.45 मिलियन अमेरिकी डालर) है। बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में रुपये के संदर्भ में इसमें 1.14% की आंशिक वृद्धि और डॉलर के संदर्भ में (-) 3.39% प्रतिशत की गिरावट दर्ज है। हालांकि वर्ष 2021-22 के अप्रैल-मई माह (तदर्थ) में कुल निर्यात 2538.09 करोड़ रुपये (343.49 मिलियन अमेरिकी डॉलर) दर्ज किया गया है। निर्यात का यह आंकड़ा पिछले वर्ष तुलना में रुपये के संदर्भ में 175.67% और डॉलर के संदर्भ में 183.34% वृद्धि दर्शाता है।

कृपया विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें:

डॉ. राकेश कुमार, महानिदेशक- ईपीसीएच- +91-9818272171

Follow us on #epchindia





Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman-EPCH, Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH and Sh. R. K.Verma, Executive Director-EPCH met today HON'BLE MINISTER OF INDUSTRIES, GOVT. OF BIHAR, SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN

Follow us on #epchindia

